मुख्य जनसंपर्क अधिकारी कार्यालय
जामिया मिल्लिया इस्लामिया

जामिया के शैक्षिक अध्ययन विभाग ने अपने स्नातकोत्तर छात्रों के लिए आयोजित एक दिवसीय कार्यशाला का किया समापन

नई दिल्ली, 11 नवंबर, 2025

शिक्षक प्रशिक्षण एवं अनौपचारिक शिक्षा विभाग (उच्च अध्ययन संस्थान), शिक्षा संकाय, जामिया मिल्लिया इस्लामिया ने शिक्षा अध्ययन विभाग (डी.ई.एस.) के सहयोग से एम.ए. प्रारंभिक बाल्यावस्था विकास (प्रथम एवं तृतीय सेमेस्टर), एम.एड. (प्रथम एवं तृतीय सेमेस्टर), एम.ए. शैक्षिक योजना एवं प्रशासन (प्रथम एवं तृतीय सेमेस्टर) तथा एम.ए. शिक्षा (प्रथम एवं तृतीय सेमेस्टर) के स्नातकोत्तर विद्यार्थियों के लिए एक दिवसीय कार्यशाला का सफलतापूर्वक आयोजन किया।

कार्यशाला का समापन सत्र सायं 4:30 बजे आरंभ हुआ, जिसकी शुरुआत श्री उबैदुल्लाह द्वारा प्रस्तुत की गई मधुर तिलावत-ए-कुरआन से हुई, जिसने कार्यक्रम को शांत और चिंतनशील वातावरण प्रदान किया। इस सत्र में विभाग के प्राध्यापकों एवं विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया।

कार्यक्रम की शोभा बढ़ाने के लिए डॉ. समीना बानो, निदेशक, रेजिडेंशियल कोचिंग अकादमी एवं अध्यक्ष, मनोविज्ञान विभाग, मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहीं। अपने संबोधन में उन्होंने शिक्षा में संवेदनशीलता के महत्व पर बल दिया और कहा कि संवेदनशीलता और समझ ही प्रभावी शिक्षण की आधारशिला हैं। उन्होंने विद्यार्थियों को उनकी सक्रिय भागीदारी के लिए बधाई दी तथा आयोजन टीम की सराहना की, जिन्होंने इतने उद्देश्यपूर्ण और प्रभावशाली कार्यक्रम का सफल संचालन किया।

डॉ. सौरभ राय, पाठ्यक्रम संयोजक एवं कार्यशाला संयोजक, सहायक प्रोफेसर, एम.एड. विशेष शिक्षा (दृष्टिबाधिता), ने मुख्य अतिथि डॉ. समीना बानो को उनके आगमन के लिए धन्यवाद ज्ञापित किया तथा सभी प्राध्यापकों और प्रतिभागियों के प्रति आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि *हर बच्चा विशेष है* और प्रत्येक शिक्षक को विविध शिक्षण आवश्यकताओं को समझने व पूरा करने के लिए सक्षम होना चाहिए, जो राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एन.ई.पी.) 2020 की भावना के अनुरूप है। उन्होंने यह भी साझा किया कि यह कार्यशाला अभिभावकों और शिक्षकों के लिए आयोजित दो सफल कार्यक्रमों के पश्चात चाइल्ड गाइडेंस सेंटर में आयोजित श्रृंखला का अगला चरण है, जो जामिया के समावेशी शिक्षा के प्रयासों को आगे बढ़ाता है।

डॉ. पटेला रामकृष्ण, सहायक प्रोफेसर, विशेष शिक्षा (दृष्टिबाधिता), ने भी सत्र में भाग लिया और इस पहल की सराहना की, विद्यार्थियों को ऐसे सहयोगात्मक कार्यक्रमों से सतत सीखने के लिए प्रेरित किया।

डॉ. सुमिता भंगू, सहायक प्रोफेसर, विशेष शिक्षा (विशिष्ट अधिगम अक्षमता), ने सभी को उपस्थिति के लिए धन्यवाद दिया और विद्यार्थियों एवं आयोजन टीम को इस कार्यक्रम की सफलता पर बधाई दी।

सभी अतिथियों को उनके बहुमूल्य विचारों और योगदान के प्रति सम्मान प्रकट करने हेतु कृतज्ञता के प्रतीक स्वरूप स्मृति चिन्ह भेंट किए गए।

कार्यक्रम के अंत में प्रतिभागियों को प्रमाणपत्र प्रदान किए गए, जो कार्यशाला की सफल पूर्णता का प्रतीक रहे।

सत्र का समापन सुश्री अंशिका गुप्ता और सुश्री योगिता कैन द्वारा प्रस्तुत धन्यवाद ज्ञापन के साथ हुआ, जिन्होंने सभी अतिथियों, प्राध्यापकों और प्रतिभागियों के प्रति अपनी हार्दिक कृतज्ञता व्यक्त की और कार्यक्रम को प्रेरणादायक एवं स्मरणीय बनाने के लिए धन्यवाद दिया।

यह कार्यशाला एम.एड. विशेष शिक्षा (एस.एल.डी. एवं वी.आई.), तृतीय सेमेस्टर के विद्यार्थियों द्वारा शिक्षक प्रशिक्षण एवं अनौपचारिक शिक्षा विभाग (आई.ए.एस.ई.) के अंतर्गत “दिव्यांग वॉरियर्स” समूह के माध्यम से आयोजित की गई। उनके परिश्रम और समर्पण ने कार्यक्रम को सफल और प्रभावशाली बनाया।

प्रो .साइमा सईद
मुख्य जनसंपर्क अधिकारी
जामिया मिल्लिया इस्लामिया